जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय,

मदाऊ, भांकरोटा, जयपुर 302026, Ph. 0141-5132022

अनुसन्धान-केन्द्र

www.jrrsanskrituniversity.ac.in email-jrrsu@yahoo.com

अनुसन्धान पात्रता परीक्षा / विद्यानिधि प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम(नया)

अनुसन्धान पात्रता परीक्षा / विद्यानिधि प्रवेश परीक्षा में 100-100 पूर्णाङ्को के दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र को हल करने का समय 90 मिनिट (डेढ़ घण्टा) रहेगा। प्रथम प्रश्नपत्र **संस्कृत वाङ्मय का सामान्य ज्ञान** के नाम से अभिहित किया जायेगा। इस प्रश्नपत्र की प्रकृति वस्तुनिष्ठात्मक होगी, जिसमें कुल एक सौ (100) बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जायेगें। द्वितीय प्रश्नपत्र 'शास्त्र-ज्ञान' परीक्षा के नाम से सम्बोधित किया जायेगा। इस प्रश्नपत्र की प्रकृति विषयनिष्ठात्मक/निबन्धात्मक होगी, जिसमें स्वशास्त्रविषयक अतिलघूत्तरात्मक, टिप्पणीपरक तथा शास्त्रीय निबन्ध से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जायेगें। प्रथम प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण होने पर ही द्वितीय प्रश्नपत्र का मूल्यांकन किया जायेगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र में उत्तीर्णाङ्क 50 प्रतिशत होगा। दोनों प्रश्नपत्रों के सभी प्रश्न संस्कृत में होंगे तथा उनके उत्तर भी संस्कृत में देने होंगे।
दोनों प्रश्नपत्रों का पाठ्यक्रम क्रमशः निम्नानुसार होगा –

प्रथम प्रश्न पत्र
(संस्कृत वाङ्मय का सामान्य ज्ञान)

समय - डेढ घण्टा **पूर्णाङ्क – 100**

(वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पात्मक उत्तर सहित संस्कृत भाषा में 100 प्रश्न)

नोट- इस(प्रथम) प्रश्नपत्र के अन्तर्गत जिन छः पाठ्यबिन्दुओं को पृथक्-पृथक् अङ्कभार सहित समाहित किया गया है। उनका पाठ्यक्रम क्रमशः अधोलिखित है –

1. **भारतीय संस्कृति एवं पञ्चाङ्ग विज्ञान का सामान्य ज्ञान – 20 अंक**
(वर्ण व्यवस्था, आश्रणव्यवस्था, संस्कार तथा पञ्चाङ्ग का सामान्य ज्ञान)
2. **भारतीय दर्शनों का सामान्य ज्ञान- 20 अंक**
(वेदान्त, मीमांसा,सांख्ययोग, न्याय, वैशेषिक, बौद्ध, जैन तथा चार्वाक दर्शनों का परिचय)
3. **वैदिक साहित्य का सामान्य ज्ञान- 20 अंक**
(संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदाङ्गों का परिचय)
4. **संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान- 20 अंक**
(सन्धि, समास, सुबन्त,तिङन्त,कृदन्त तथा तद्धित का परिचयात्मक ज्ञान- लघुसिद्धान्त कौमुदी के आधार पर)
(कारक प्रकरण का ज्ञान – सिद्धान्तकौमुदी के आधार पर)
5. **छन्द, अलंकार तथा संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान- 20 अंक**
(क) छन्दो ज्ञान- (आर्या, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा का लक्षणोदाहरण)
(ख) अलङ्कार – (उपमा, उत्प्रेक्षा, अनन्वय, स्वभावोक्ति, विभावना, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, वक्रोक्ति, विशेषोक्ति एवं श्लेष का लक्षणोदाहरण)
(ग) संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान –
(गद्य, पद्य, नाट्य तथा चम्पूकाव्यों के लक्षण प्रसिद्ध काव्य एवं उनके लेखक)

द्वितीय प्रश्न पत्र
(शास्त्र-ज्ञान)

समय - डेढ घण्टा **पूर्णाङ्क – 100**

(प्रश्न पत्र संस्कृत में होगा तथा उत्तर भी संस्कृत भाषा में देने होंगे)

नोट- इस(द्वितीय) प्रश्नपत्र द्वारा स्नातकोत्तर (आचार्य/एम.ए.संस्कृत/एम.एड. /शिक्षाचार्य)कक्षा में अधीत शास्त्र ज्ञान परीक्षा अभीष्ट है । अतः यह प्रश्नपत्र सभी विषयों के लिए पृथक्-पृथक् होगा। यह द्वितीय प्रश्नपत्र तीन भागों में विभक्त होगा-

(क) स्नातकोत्तर स्तर पर अधीतशास्त्र/विषय से सम्बद्ध 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेगें। प्रत्येक प्रश्न का अङ्क भार दो तथा उत्तर शब्द सीमा 10-15 शब्द होंगे। 2X10=20

(ख) स्नातकोत्तर स्तर पर अधीतशास्त्र/विषय से सम्बद्ध 20 टिप्पणियाँ पूंछी जायेंगी, जिनमें से दस का समाधान करना अनिवार्य होगा। (शब्द सीमा 40-50 शब्द) 10X5=50

(ग) स्नातकोत्तर स्तर पर अधीतशास्त्र/विषय से सम्बद्ध चार आन्तरिक विकल्पों सहित निबन्ध पूछे जायेंगे, जिनमें से किसी एक विषय पर 300-350 शब्दों में शास्त्रीय निबन्ध लिखना होगा।

1X

30=30

नोट- द्वितीय प्रश्नपत्र वेद, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, शिक्षाशास्त्र, वेदान्त, न्याय, मीमांसा, सामान्य दर्शन, बौद्धदर्शन, जैनदर्शन आदि विषयों के लिए अलग-अलग निर्मित होगा। फलतः इस पत्र हेतु विषयवार सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ निम्नलिखित प्रकार से निर्धारित किये गये हैं –

1. वेद

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. वेदभाष्यभूमिकासंग्रहः (सायण) 2.यज्ञतत्त्वप्रकाशः 3. वेदशाखापर्यालोचनम्

2. धर्मशास्त्र

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. याज्ञवल्क्यस्मृतिः 2.व्यवहारमयूखः 3.वीरमित्रोदयः(संस्कारप्रकाशः)

3. ज्योतिष

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

ज्योतिष गणित –

1. गोलपरिभाषा 2.सूर्यसिद्धान्तः(त्रिप्रश्नाधिकारपर्यन्तम्)

फलित ज्योतिष-

1. पञ्चाङ्गविज्ञानम् 2.बृहद्वास्तुमाला 3.जातकपारिजात(20 अध्याय)

4. साहित्य

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. काव्यप्रकाशः 2.ध्वन्यालोकः(1,2 व 4 अध्याय)

5. व्याकरण

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. परमलघुमञ्जुषा(धात्वधिकारः) – नागेशभट्टः 2.वैयाकरणभूषणसारः-कौण्डभट्टः
3. महाभाष्यम् (पस्पशाह्निकम्)

6. शिक्षाशास्त्र

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

(क) शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार

(शिक्षा एवं दर्शन, विविध दार्शनिक वाद, भारतीय एवं पाश्चात्य शिक्षा दार्शनिकों की विचारधाराएँ, शिक्षा एवं समाज, शिक्षा एवं सामाजिक प्रक्रियाएँ, वैश्वीकरण एवं बदलता भारतीय समाज, गीता एवं उपनिषद् का शैक्षिक देन)

(ख) शैक्षिक अनुसन्धान प्रविधि

(शैक्षिक अनुसन्धान की प्रकृति, क्षेत्र, प्रकार, अनुसन्धान अभिकप्ल, प्राक्कल्पना, न्यादर्श, चर, विधि, विधि, उपकरण, दत्तविश्लेषण, सामान्यीकरण, सन्दर्भ, मुख्यपृष्ठ तथा अनुसन्धान प्रतिवेदन)

(ग) शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार

(वाद – व्यवहारवाद, मनोविश्लेषणवाद, मानववाद, विकास की अवस्थाएं, अधिगम, वैयक्तिकविभिन्नता, व्यक्तित्व- भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा, बुद्धि, मापन एवं मूल्यांकन, समूहगतिशीलता, समायोजन तथा मानसिक स्वास्थ्य)

(घ) संस्कृतभाषा शिक्षण तथा संस्कृत शिक्षण में नवाचार

(कौशल, विधि, उपागम, उपचारात्मक एवं निदानात्मक शिक्षण, प्रतिपुष्टि, पुनर्बलन तथा संस्कृत भाषा शिक्षण की नूतन प्रविधियाँ)

7. वेदान्त

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. ब्रह्मसूत्रम्(शांकरभाष्यम्) चतुःसूत्रीयम् 2. पञ्चदशी 3.श्रीमद्भगवद्गीता (मधुसूदनी)

8. न्याय

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1.न्यायदर्शन(प्रथमाध्याय) 2.न्यायसिद्धान्तमुक्तावली 3.व्युत्पत्तिवादः

9. मीमांसा

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. शास्त्रदीपिका(तर्कपादमात्रम्) 2.भाट्टदीपिका(अध्यायत्रयम्)

10. सामान्य दर्शन

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1.वेदान्तसारः 2.सांख्यकारिका 3.तर्कभाषा 4.मानमेयोदय-प्रमाणभागः

11. बौद्धदर्शन

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1.धम्मपद 2.महावग्ग 3. महापरिनिव्वानसूत्रम् 4. न्यायबिन्दुः

12. जैनदर्शन

सन्दर्भ/सहायक ग्रन्थ –

1. तत्त्वार्थराजवार्तिकम् 2.गोम्मटसारः